माइक्रोस्कोप

(सूक्ष्मदर्शी)

मैक्सीन कुमिन

चित्र: अर्नोल्ड लोबेल

एंटोन ल्यूवेनहोक डच थे. वो पिनकुशन, कपड़ा आदि बेचते थे. एंटोन के सूखे माल पर धूल जमती रहती थी और शहरवासी माल की प्रतीक्षा करते रहते थे. उस कारण लोग उनसे बहुत खफा रहते थे. एंटोन अपनी दुकान में काम करने के बजाए, माइक्रोस्कोप के लिए विशेष लेंसों को घिसने में व्यस्त रहते थे.

माइक्रोस्कोप

(सूक्ष्मदर्शी)

मैक्सीन कुमिन

चित्र: अर्नोल्ड लोबेल

DELFT
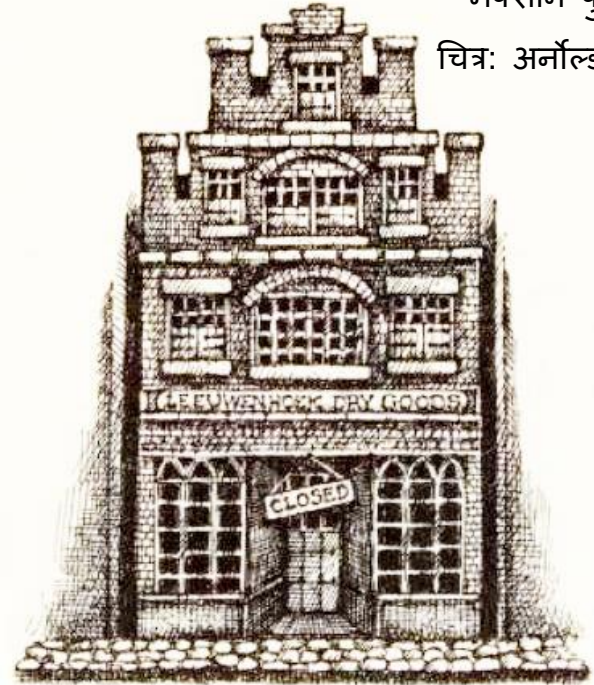
एंटोन ल्यूवेनहोक डच थे.
वो अपनी दुकान में
पिनकुशन, कपड़ा आदि
बेचते थे.
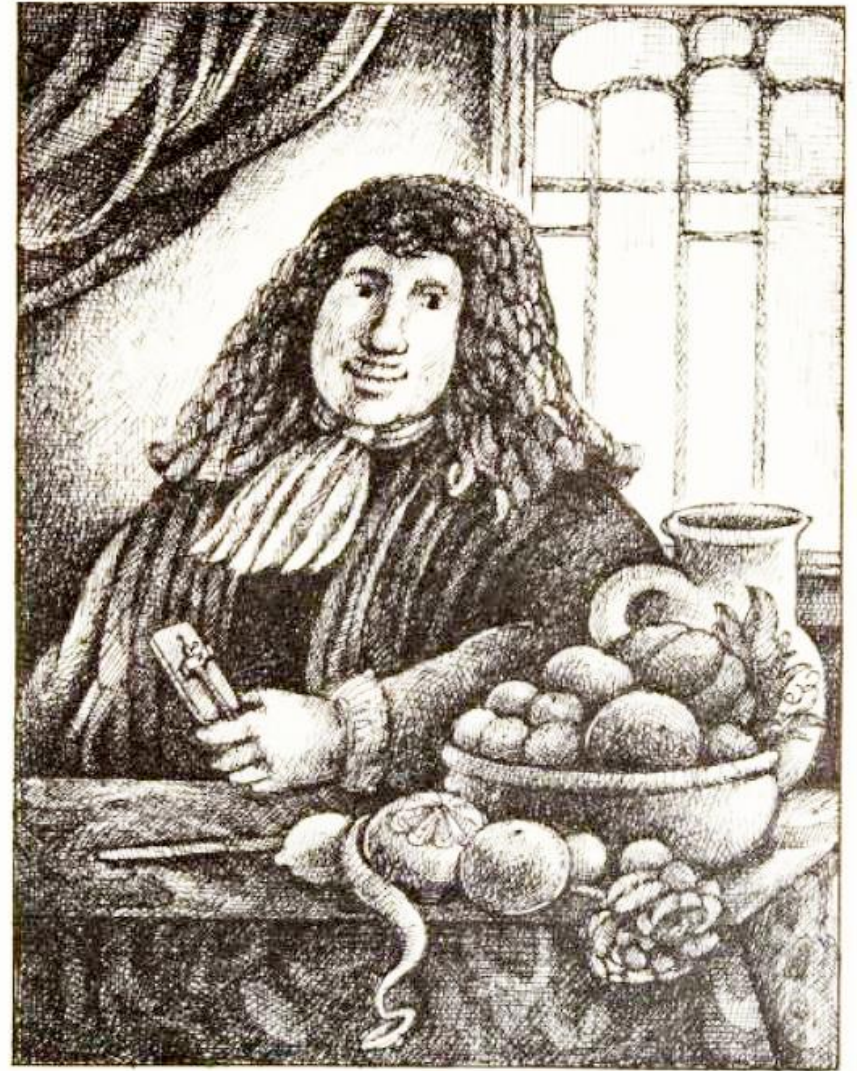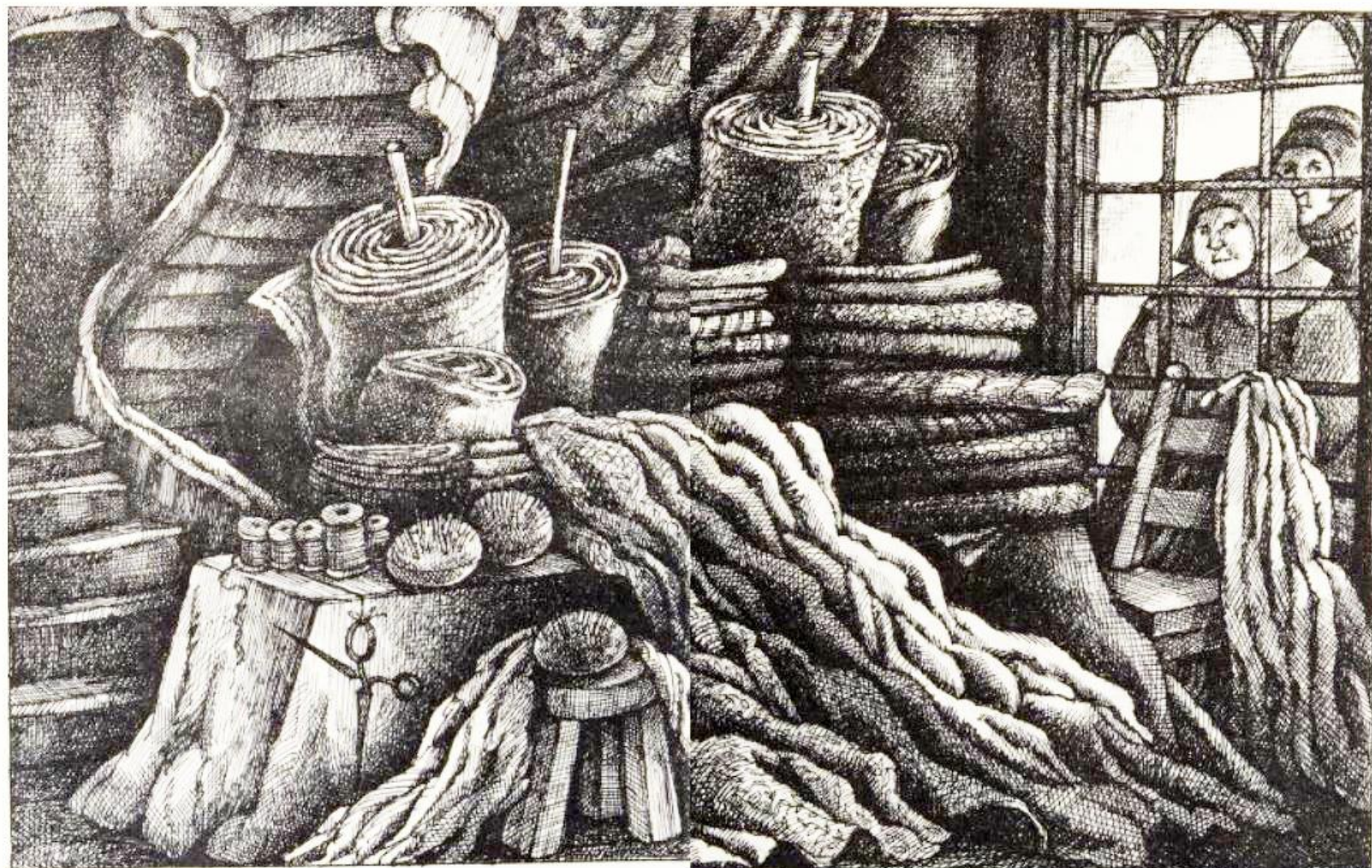
एंटोन के सूखे माल पर धूल जमती रहती थी. शहरवासी माल खरीदने की प्रतीक्षा करते-करते परेशान हो जाते थे.

एंटोन बहुत काम करते थे,

लेकिन दुकान में माल बेचने की बजाए,

वो दिन भर कांच के विशेष

लेंस घिसते रहते थे,
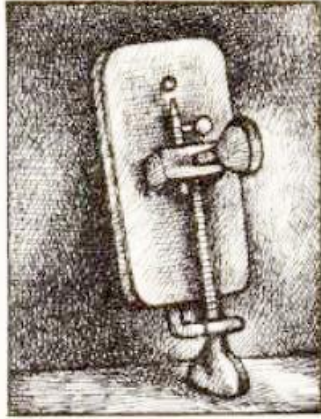
एक सूक्ष्मदर्शी (माइक्रोस्कोप) बनाने के लिए.
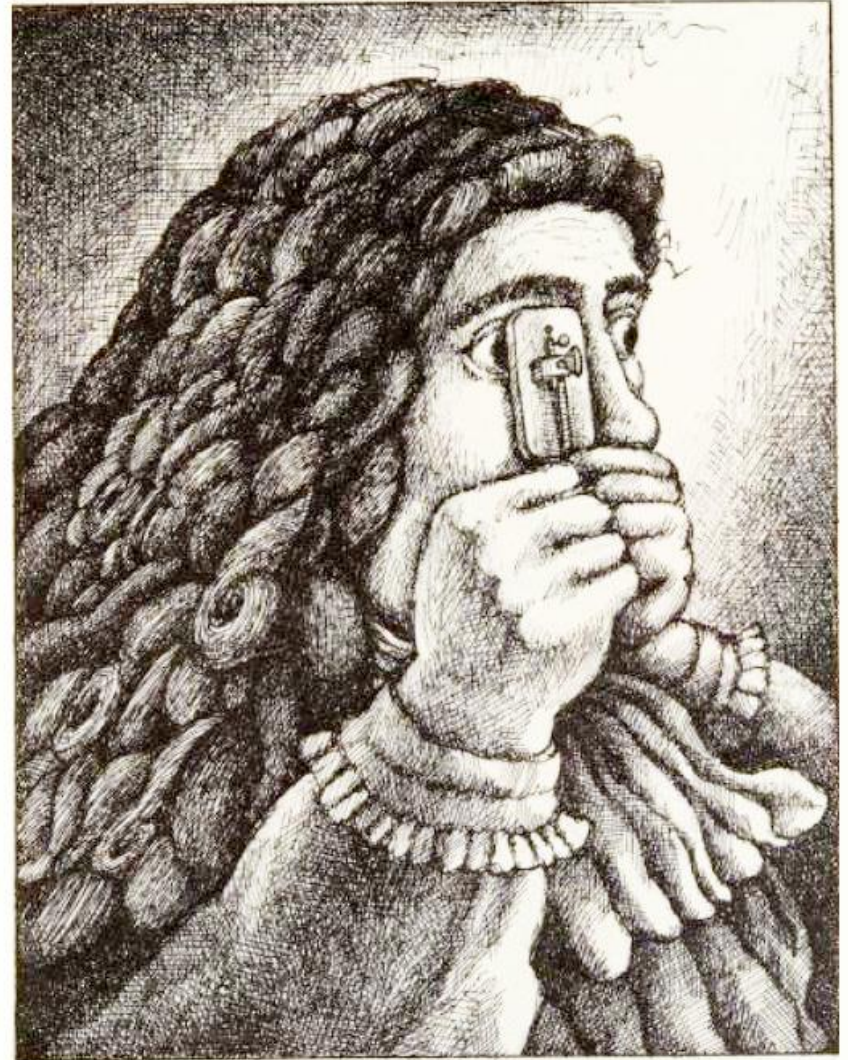
माइक्रोस्कोप से उन्होंने
जो चीज़ें देखीं वे थीं:

मच्छरों के पंख,
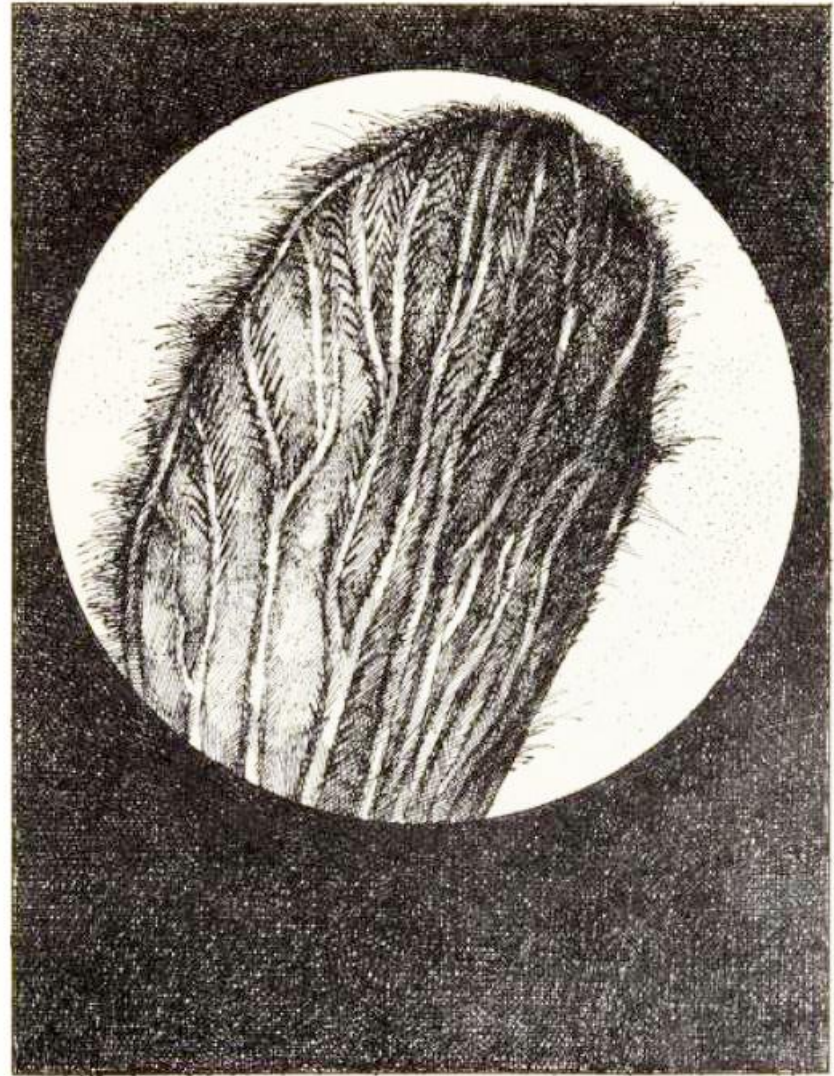
भेड़ के बाल,
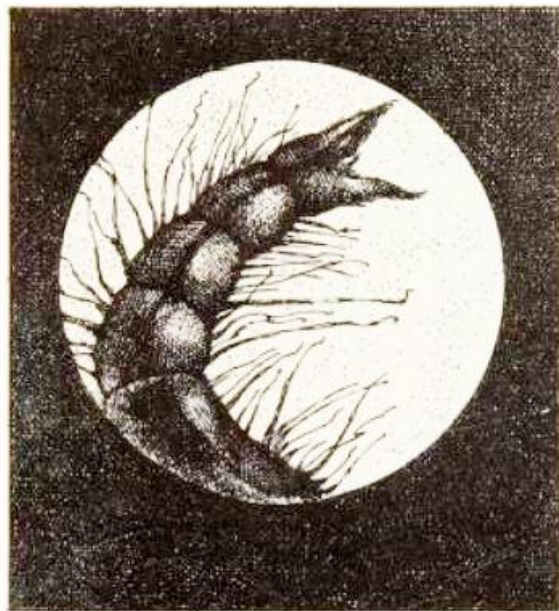
जूँ के पैर,
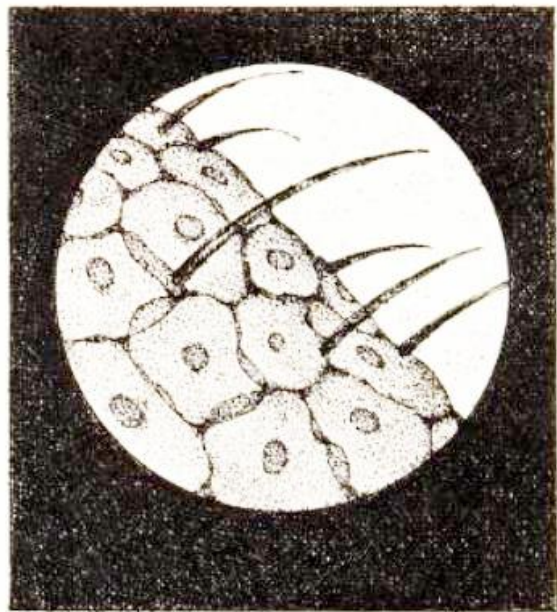
लोगों की चमड़ी,
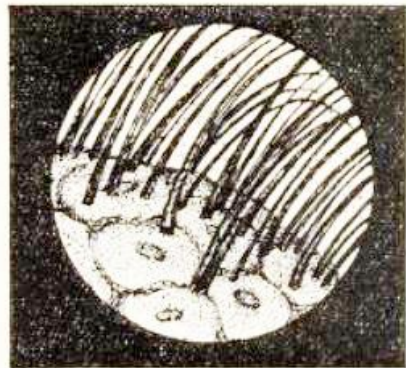
कुत्ते,

और चूहे,

बैल की आंख,

मकड़ियों के जाल,

मछली की त्वचा के स्केल,
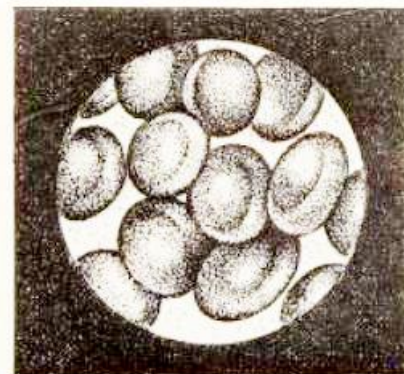
और अपने खून की बूँद

एंटोन को सबसे ज़्यादा एक साधारण पानी की बूंद के अंदर तैरते, टकराते और उछलते-कूदते, छोटे-छोटे कीड़ों (जंतुओं) को देखना पसंद था.
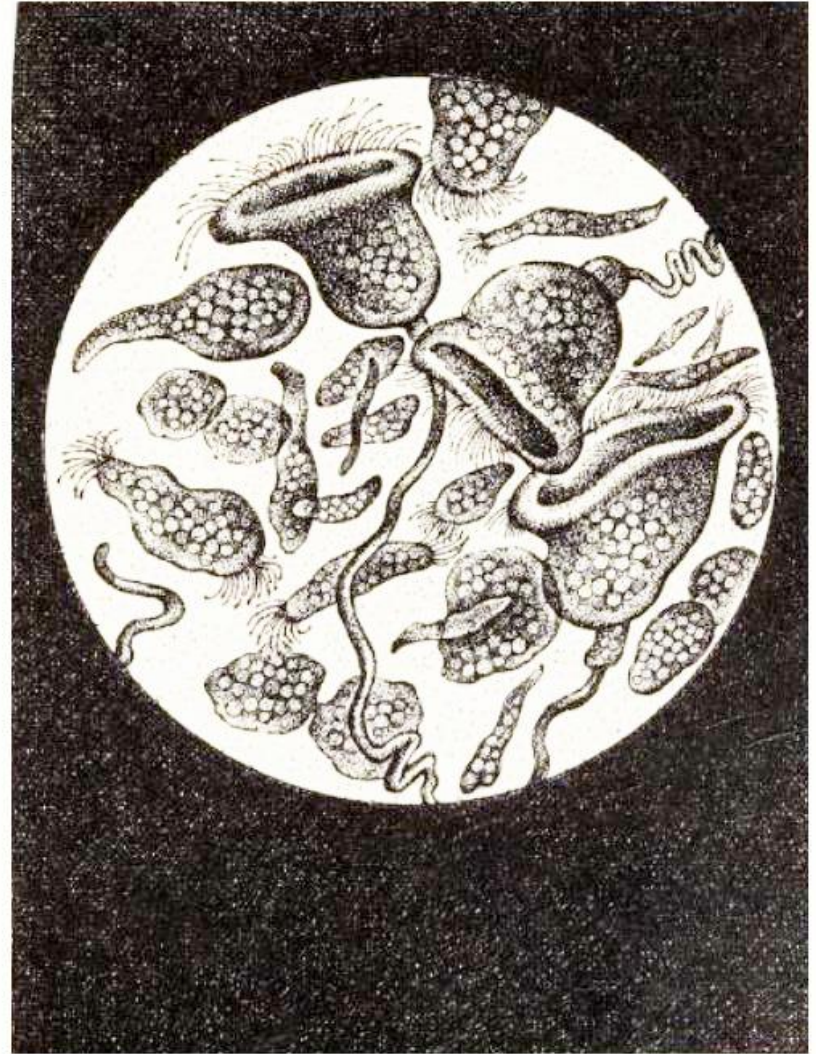
असंभव! ज़्यादातर डच लोग कहते.

एंटोन पगला गया है!

लोग कहते कि एंटोन का दिमाग,
एक मक्खी के दिमाग जैसा था.

एंटोन को हमें स्पेन भेज देना
चाहिए.

स्पेन की ओर
TO SPAIN
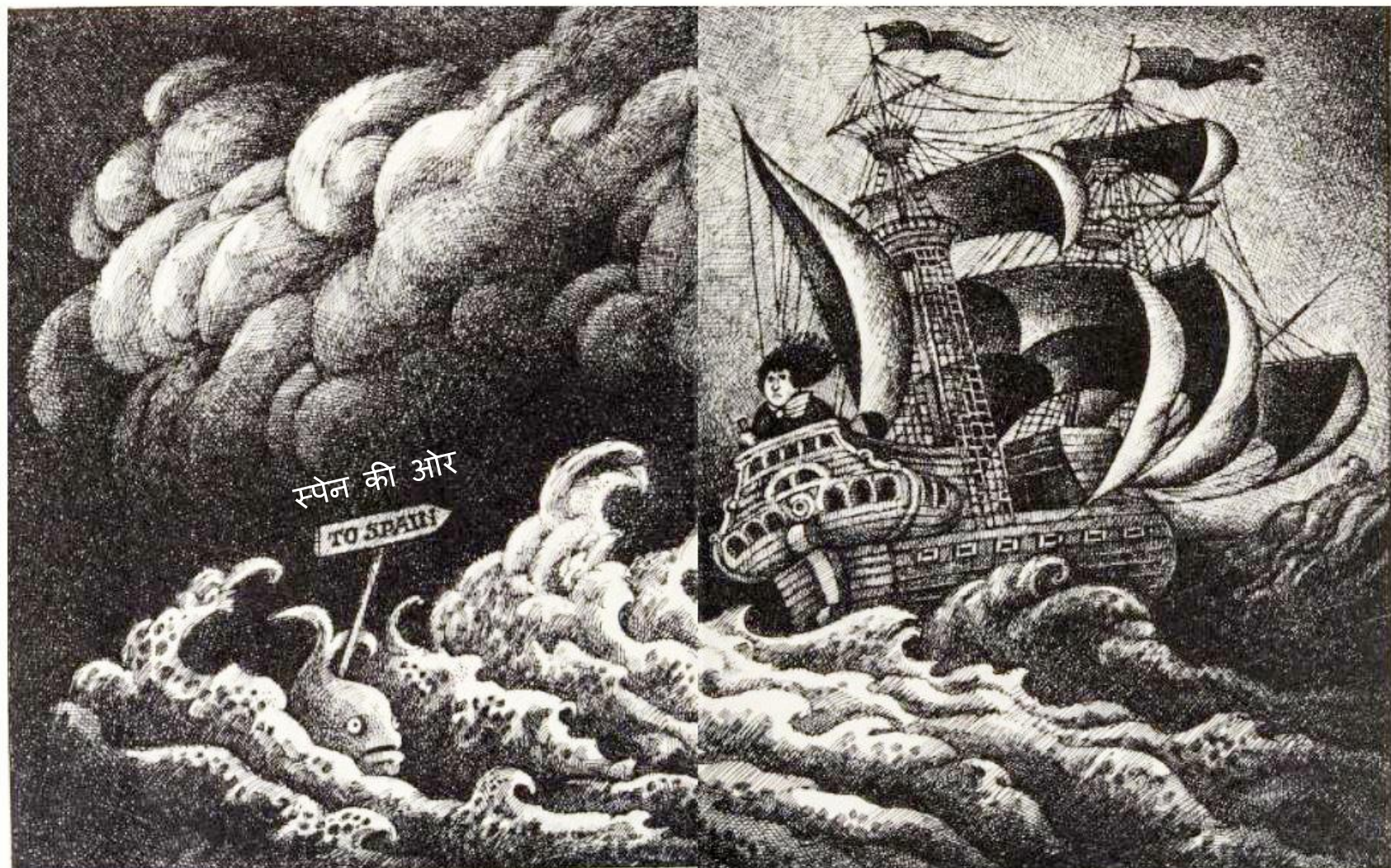
एंटोन कहता है कि हम जो पानी पीते हैं वो कीड़ों (जंतुओं) से भरा हुआ है.

हमें लगता है कि वो बिल्कुल पागल हो गया है!

लोगों ने एंटोन को "डोमकोप" यानी पागल बुलाया.

और इस तरह हमें माइक्रोस्कोप मिला.
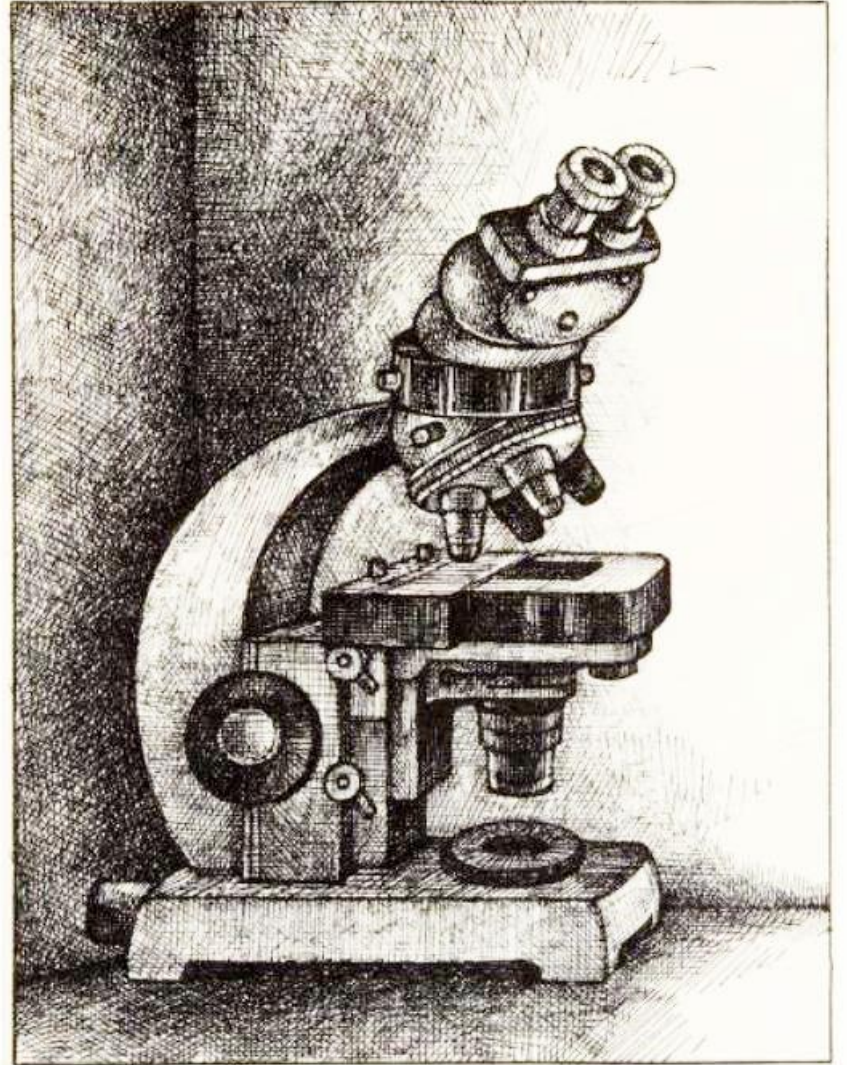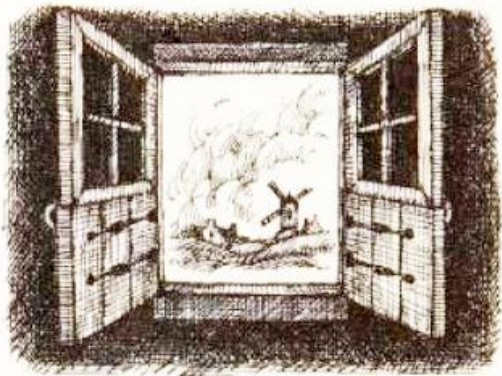
ऐतिहासिक नोट

एंटोन वैन लीउवेनहोक ने माइक्रोस्कोप का आविष्कार नहीं किया; लेकिन उन्होंने माइक्रोस्कोप से वो चीजें देखीं जिन्हें पहले कभी किसी ने नहीं देखा था. भेड़ों के बालों, जूँ के पैरों को देखने के अलावा, उन्होंने "प्रोटोजोआ" की खोज की, जिन्हें उन्होंने "ऐनिमलक्यूल्स" और बैक्टीरिया (हालांकि उन्हें इस बात का अंदाज़ नहीं था कि बैक्टीरिया बहुत से लोगों को बीमार बनाते थे) बुलाया. लीउवेनहोक, नीदरलैंड में उस समय रहते थे जब उनके देश में कई अच्छी चीजें हो रही थीं. डच व्यापारी दुनिया भर के बंदरगाहों में व्यापार करने जा रहे थे, और उनके देश में रेम्ब्रांट और वर्मियर जैसे महान चित्रकार काम कर रहे थे. लीउवेनहोक ने अपने जीवनकाल में 247 से अधिक सूक्ष्मदर्शी बनाए, सभी साधारण लेंसों से बने थे जिन्हें उन्होंने स्वयं घिसा था. उनके अपने ही कुछ देशवासियों ने उन्हें पागल करार दिया, लेकिन पूरी दुनिया ने उनकी चतुरता को पहचाना और फिर उन्हें इंग्लैंड की रॉयल सोसाइटी की सदस्यता के लिए चुना गया.